भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

**लोक सभा**

तारांकित प्रश्न सं. 313
दिनांक 10 अगस्त, 2021 के लिए प्रश्न

**तटीय अपरदन का मात्स्यिकी पर प्रभाव**

***313. एडवोकेट अदूर प्रकाशः**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को देश में तेजी से बढ़ते तटीय अपरदन के कारण मछुआरा परिवारों के समक्ष उत्पन्न संघर्ष की स्थिति की जानकारी है;

(ख) क्या सरकार ने तटीय अपरदन के प्रभाव की समीक्षा करने हेतु राज्यों से रिपोर्ट मांगी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) तटीय अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र राज्य-वार कौन-कौन से हैं;

(घ) सरकार को इस बात की जानकारी है कि केरल राज्य में तटीय क्षेत्रों पर सर्वाधिक विपरीत प्रभाव पड़ा है और अधिकांश तटीय रेखा का अपरदन हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड़) क्या सरकार इस संबंध में प्रभावी निवारक उपाय करने के लिए राज्य को विशेष सहायता देने पर विचार करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**

**(श्री परशोत्तम रुपाला)**

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

**तटीय अपरदन का मात्स्यिकी पर प्रभाव के संबंध में एडवोकेट अदूर प्रकाश, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 10 अगस्त, 2021 को पूछे जाने वाले लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 313 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

(क) से (ङ): भारत की तट रेखा के कुछ हिस्सों में प्राकृतिक कारणों या मानव जनित गतिविधियों की वजह से अपरदन का स्तर अलग-अलग हो सकता है। तटीय अपरदन का प्रभाव अपरदन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले तटीय समुदाय पर भी पड़ता है जिनमें मछुआरा समुदाय भी शामिल है ।

राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र( एन सी सी आर) जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक अधीनस्थ कार्यालय है, भारतीय तट के साथ-साथ तट रेखा परिवर्तन की निगरानी करता है। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) ने तटीय प्रबंधन रणनीति के लिए जानकारी प्रदान करने हेतु नौ तटीय राज्यों तथा दो संघ राज्य क्षेत्रों के साथ वर्ष 1990 से 2018 तक 28 वर्षों के सेटेलाइट आंकड़ों का उपयोग करके, भारतीय तट के लिए राष्ट्रीय तटरेखा परिवर्तन मूल्यांकन मानचित्रण किया है। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) की रिपोर्ट के आधार पर लगभग 32% तट रेखा के अपरदन का स्तर (निम्न, मध्यम और उच्च) अलग-अलग है, 27% अभिवृद्धि की प्रकृति है और शेष 41% स्थाई अवस्था में है। भारतीय तट के साथ राज्यवार तट रेखा परिवर्तन को अनुलग्नक-I में दिया गया है। केरल सहित तटीय अपरदन से प्रभावित क्षेत्रों की राज्य-वार सूची अनुलग्नक-II में दी गई है। एनसीसीआर अध्ययन के अनुसार केरल की 41% तटरेखा के अपरदन का स्तर अलग-अलग है, 31% स्थायी है जबकि 21% अभिवृद्धि में है। इसके अलावा, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र और जलशक्ति मंत्रालय के अधीन केंद्रीय जल आयोग द्वारा भी तटरेखा परिवर्तन/ अपरदन तथा इसके प्रभाव के संबंध में अध्ययन किया जाता है।

समुद्री राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपनी स्वयं की प्राथमिकताओं के अनुसार और अपने खुद के संसाधनों से समुद्री अपरदन-रोधी उपायों के लिए योजना तैयार करने और उन्हें लागू किए जाने का कार्य किया जाता है। इस संबंध में, केंद्रीय सरकार की भूमिका तकनीकी, परामर्शदात्री तथा उत्प्रेरक प्रकृति की है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (एन सी सी आर) और राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान के माध्यम से केरल सरकार को समुद्री अपरदन-रोधी उपाय संबंधी योजना तैयार करने में तकनीकी सहायता प्रदान की गई है।

*****

**अनुलग्नक-I**

**एडवोकेट अदूर प्रकाश, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 10 अगस्त, 2021 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 313 के उत्तर में उल्लिखित विवरण- राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार भारतीय तट (1990 से 2018 तक) के साथ राज्य-वार तटरेखा परिवर्तन।**

| तटीय राज्य/सं.रा.क्षे. | लंबाई (कि.मी.) | अपरदन | | स्थायी | | वृद्धि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कि.मी. | % | कि.मी. | % | कि.मी. | % |
| दमन और दीव सहित गुजरात | 1701.78 | 447.98 | 26 | 920.64 | 54 | 333.16 | 20 |
| महाराष्ट्र | 739.57 | 162.02 | 22 | 503.49 | 68 | 74.06 | 10 |
| गोवा | 139.64 | 26.82 | 19 | 93.72 | 67 | 19.1 | 14 |
| कर्नाटक | 313.02 | 74.34 | 24 | 156.78 | 50 | 81.9 | 26 |
| केरल | 592.96 | 245.26 | 41 | 220.3 | 37 | 127.4 | 21 |
| तमिलनाडु | 991.47 | 402.94 | 41 | 370.39 | 37 | 218.14 | 22 |
| पुदुचेरी | 41.66 | 23.14 | 56 | 15.12 | 36 | 3.4 | 8 |
| आंध्र प्रदेश | 1027.58 | 289.36 | 28 | 250.22 | 24 | 488 | 48 |
| उड़ीसा | 549.5 | 140.72 | 26 | 128.77 | 23 | 280.02 | 51 |
| पश्चिम बंगाल | 534.35 | 323.07 | 60 | 76.4 | 14 | 134.88 | 25 |
| **कुल** | **6631.53** | **2135.65** | **32** | **2735.83** | **41** | **1760.06** | **27** |

*****

**अनुलग्नक-II**

**एडवोकेट अदूर प्रकाश, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 10 अगस्त, 2021 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 313 के उत्तर में उल्लिखित विवरण- राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार तटीय अपरदन से प्रभावित क्षेत्रों की राज्य-वार सूची**

| क्र.सं. | राज्य | जिला | स्थान |
|---|---|---|---|
| 1 | गुजरात | कच्छ | मुंद्रा |
| 2 | गुजरात | भावनगर | घोघा |
| 3 | गुजरात | भावनगर | नवा रतनपारी |
| 4 | गुजरात | भावनगर | जसपारा मांडवा |
| 5 | गुजरात | गीर सोमनाथ | आद्री |
| 6 | गुजरात | गीर सोमनाथ | नवपारा |
| 7 | गुजरात | नवसारी | बोरसी |
| 8 | गुजरात | नवसारी | ओंजाल |
| 9 | महाराष्ट्र | ठाणे | तारापोर |
| 10 | महाराष्ट्र | मुंबई उपनगर | गोराई |
| 11 | महाराष्ट्र | रायगढ़ | शिरगाँव |
| 12 | महाराष्ट्र | रायगढ़ | मुरुद |
| 13 | महाराष्ट्र | रायगढ़ | श्रीवर्धन |
| 14 | महाराष्ट्र | रत्नागिरि | अंजारले |
| 15 | महाराष्ट्र | रत्नागिरि | दाभोल |
| 16 | महाराष्ट्र | सिंधुदुर्ग | वेंगुर्ला |
| 17 | गोवा | उत्तर गोवा | केरी |
| 18 | गोवा | दक्षिण गोवा | मोबोर |
| 19 | गोवा | दक्षिण गोवा | तलपोना |
| 20 | कर्नाटक | उत्तर कन्नड़ | देवबाग |
| 21 | कर्नाटक | उत्तर कन्नड़ | कारवार |
| 22 | कर्नाटक | उत्तर कन्नड़ | अप्सराकोंडा |
| 23 | कर्नाटक | उडुपी | किरीमंजेश्वर: |
| 24 | कर्नाटक | उडुपी | मरावन्थे |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 25 | कर्नाटक | उडुपी | येरामाल |
| 26 | कर्नाटक | दक्षिण कन्नड़ | मुक्का |
| 27 | कर्नाटक | दक्षिण कन्नड़ | उल्लाल |
| 28 | केरल | कासरगोड | कासरकोड |
| 29 | केरल | कासरगोड | वलियापरम्बा |
| 30 | केरल | कोझिकोड | पक्कायिल |
| 31 | केरल | कोझिकोड | चेट्टीकुलम |
| 32 | केरल | मलप्पुरम | अरियालुर |
| 33 | केरल | मलप्पुरम | पोन्नानि |
| 34 | केरल | अलपुझा | वेट्टकल |
| 35 | केरल | अलपुझा | गुरुमंदिरम |
| 36 | केरल | अलपुझा | अम्बालप्पुज़्हा |
| 37 | केरल | कोल्लम | परयाकदावु |
| 38 | केरल | तिरुवनंतपुरम | कपिल |
| 39 | केरल | तिरुवनंतपुरम | वलियातुरा |
| 40 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | कोवलम |
| 41 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | मुत्तम |
| 42 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | पिल्लयारकोविल |
| 43 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | मंदकाड |
| 44 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | वानियाकुडि |
| 45 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | मिडलम |
| 46 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | मेलमिडालम |
| 47 | तमिलनाडु | कन्याकुमारी | पुत्तुराई |
| 48 | तमिलनाडु | तुथीकोड़ी | तिरुचेन्डुर |
| 49 | तमिलनाडु | तंजावुरी | किलाथोतम |
| 50 | तमिलनाडु | नागपट्टिनम | पट्टानाचेरी |
| 51 | पुदुचेरी | कराईकल | किलिनजिमेडु |
| 52 | पुदुचेरी | कराईकल | कसक्कुडीमेडु |
| 53 | पुदुचेरी | कराईकल | अक्कमपेट्टई |
| 54 | तमिलनाडु | नागपट्टिनम | थरंगमवडी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 55 | तमिलनाडु | नागपट्टिनम | कावेरीपट्टनम |
| 56 | तमिलनाडु | विल्लुपुरम | नादुकुप्पम |
| 57 | तमिलनाडु | विल्लुपुरम | चिन्ना मुदलियारचवादि |
| 58 | तमिलनाडु | विल्लुपुरम | पेरिया मुदलियारचवादि |
| 59 | तमिलनाडु | विल्लुपुरम | बोम्मैयारपलायम |
| 60 | तमिलनाडु | विल्लुपुरम | चिन्नाकाकपेट्टई |
| 61 | तमिलनाडु | विल्लुपुरम | कालापेट्टई |
| 62 | तमिलनाडु | कांचीपुरम | चिन्नाकुप्पम |
| 63 | तमिलनाडु | कांचीपुरम | नादुकुप्पम |
| 64 | तमिलनाडु | कांचीपुरम | पेरियाकुप्पम |
| 65 | तमिलनाडु | कांचीपुरम | चिन्नाकुप्पम |
| 66 | तमिलनाडु | कांचीपुरम | ओयालिकुप्पम |
| 67 | तमिलनाडु | तिरुवल्लुर | तिरुवोट्टियूर |
| 68 | तमिलनाडु | तिरुवल्लुर | कासिकोविलकुप्पम |
| 69 | तमिलनाडु | तिरुवल्लुर | चिन्नाकुप्पम |
| 70 | तमिलनाडु | तिरुवल्लुर | पेरियाकुप्पम |
| 71 | आन्ध्र प्रदेश | नेल्लोर | पुलिकट |
| 72 | आन्ध्र प्रदेश | नेल्लोर | गोवुंडापालेम |
| 73 | आन्ध्र प्रदेश | कृष्णा | सोरलांगोंटी |
| 74 | आन्ध्र प्रदेश | पूर्वी गोदावरी | सूर्यासनम: |
| 75 | आन्ध्र प्रदेश | पूर्वी गोदावरी | गढ़ीमोगा |
| 76 | आन्ध्र प्रदेश | पूर्वी गोदावरी | उप्पदा |
| 77 | आन्ध्र प्रदेश | विशाखापत्तनम | चेपलपाड़ा |
| 78 | ओडिशा | गंजम | गंजम पोर्ट नॉर्थ |
| 79 | ओडिशा | जगतसिंहपुर | सहदाबेदी |
| 80 | ओडिशा | केंद्रापारा | पेंथा |
| 81 | ओडिशा | केंद्रापारा | सातवाय |
| 82 | ओडिशा | केंद्रापारा | गहिरमाथा |
| 83 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | बुलचेरी द्वीप |
| 84 | पश्चिम बंगाल | उत्तर **24** परगना | भांगदुनर द्वीप |
| 85 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | द्वीप |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 86 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | हेनरी द्वीप |
| 87 | पश्चिम बंगाल | उत्तर **24** परगना | डलहौजी द्वीप |
| 88 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | गोवर्धनपुर |
| 89 | पश्चिम बंगाल | उत्तर **24** परगना | चैमारी |
| 90 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | बलियारा |
| 91 | पश्चिम बंगाल | उत्तर **24** परगना | मेच्वा |
| 92 | पश्चिम बंगाल | उत्तर **24** परगना | बगमारा |
| 93 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | प्लॉट एल दक्षिणी भाग |
| 94 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | बीसलक्ष्मीपुर |
| 95 | पश्चिम बंगाल | मेदनीपुर | जमराश्यामपुर |
| 96 | पश्चिम बंगाल | दक्षिण **24** परगना | सागर |
| 97 | पश्चिम बंगाल | मेदनीपुर | मंदारमणि |
| 98 | पश्चिम बंगाल | मेदनीपुर | भोगपुर |

******